सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 195 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 21 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

स्पेन की महिलाएं बनीं विश्व... 7 | कांग्रेस-भाजपा में वार-पलटवार... 3 | जी-20 के कार्यक्रम से चुनाव साधना... 2

मैं सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता। मैं निर्णय लेता हूं और फिर उन्हें सही साबित कर देता हूं।

-रतन टाटा

सनी देओल के बंगले की ई-नीलामी की नोटिस वापस लेने पर मचा बवाल

करोड़ों का कर्ज है सांसद पर, कांग्रेस व भाजपा आमने-सामने

» जयराम रमेश ने पूछा- किसके इशारे पर बैंक ने लिया फैसला

» बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा- तकनीकी कारणों से नोटिस लिया वापस

» 25 अगस्त को की जानी थी संपत्ति की नीलामी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता व पंजाब के गुरुदापुर से भाजपा के सांसद सनी देओल के बंगले की ई-नीलामी को लेकर कांग्रेस व भाजपा में तलवारें खींच गई। इस मुद्दे को लेकर सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा भाजपा सांसद और अभिनेता सनी देओल के बंगले की ई-नीलामी संबंधी नोटिस को कथित तौर पर वापस लिए जाने को लेकर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने पूछा कि आखिर 'तकनीकी कारणों का हवाला देने के लिए बैंक को किसने दबाव में लिया? जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, कल दोपहर को देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने भाजपा सांसद सनी देओल के जुहू स्थित आवास को ई-नीलामी के लिए रखा है, क्योंकि उन्होंने बैंक को 56 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है।

आज सुबह 24 घंटे से भी कम समय में देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'तकनीकी कारणों से नीलामी नोटिस वापस ले लिया है, उन्होंने सवाल किया, आखिर इन 'तकनीकी कारणों का हवाला देने के लिए किसने प्रेरित किया?

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 56 करोड़ रुपये की वसूली के लिए सनी देओल की संपत्ति को नीलामी के लिए रखा था। यह नीलामी 25 अगस्त को ऑनलाइन माध्यम से की जानी थी। खबरों के अनुसार, सनी देओल के बंगले की ई-नीलामी के नोटिस को वापस ले लिया गया है, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, कि अजय सिंह देयोल उर्फ सनी देयोल के संबंध में बिक्री नीलामी नोटिस के संबंध में ई-नीलामी नोटिस का शुद्धिपत्र तकनीकी कारणों से वापस ले लिया गया है। इससे पहले बैंक ने रविवार को कहा था कि सनी विला के नाम से मशहूर जुहू की संपत्ति की नीलामी 51.43 करोड़ रुपये से शुरू होगी। न्यूनतम बोली राशि ? 5.14 करोड़ निर्धारित की गई थी। जुहू के बंगले के अतिरिक्त, 599.44 वर्ग मीटर की संपत्ति नीलमी तैयारी थी।

ऋण पर ब्याज और जुर्माना चुकाने में रहे असफल

गुरदासपुर के सांसद सनी दिसंबर 2022 से बैंक को 55.99 करोड़ रुपये के ऋण पर ब्याज और जुर्माना चुकाने में चूक कर रहे हैं। बता दें कि सनी की नवीनतम फिल्म गदर 2बॉक्स ऑफिस पर सफल रही है और पिछले हफ्ते रिलीज होने के बाद से 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। अभिनेता को आधिकारिक तौर पर अजय सिंह धर्मेंद्र देओल के नाम से जाना जाता है और वह 2019 से पंजाब की गुरदासपुर सीट से सत्तारूढ़ भाजपा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सदस्य सुनील झाकर को हराकर बड़े अंतर से सीट जीती थी।

पटना में अटल बिहारी पार्क का नाम बदलने पर तिलमिलाई भाजपा

पटना। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पटना के कंकड़बाग में अटल बिहारी वाजपेयी पार्क का नाम बदलकर कोकोनट पार्क करना आपत्तिजनक और बड़ा अपराध है। वह भारत रत्न हैं। मैं नीतीश कुमार से तेजस्वी यादव को इसका नाम बदलने से रोकने का आग्रह करता हूं। बिहार में नया विवाद खड़ा हो गया है, जहां भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर पटना के कंकड़बाग में बने अटल बिहारी पार्क का नाम बदलकर कोकोनट पार्क कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद नित्यानंद राय ने इस घटनाक्रम को लेकर बिहार सरकार की आलोचना की और कहा कि यह कदम बेहद आपत्तिजनक और बड़ा अपराध है।

नीतीश जी, तेजस्वी एक दिन आपका नाम भी बदल देंगे : नित्यानंद

भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, कि सरकार ने इस हिस्से का नाम पूर्व पीएम के नाम पर रखा, सरकार ने उनकी प्रतिमा यहां स्थापित की। अटल जी सभी भारतीयों और बिहारवासियों के दिल में हैं। बिहार के लोग नीतीश जी को बताएंगे कि तेजस्वी कितना बड़ा अपराध कर रहे हैं। राय ने पत्रकारों से आगे कहा, कठिन बात है नीतीश जी, तेजस्वी एक दिन आपका नाम भी बदल देंगे। वन एवं पर्यावरण विभाग ने अब इस पार्क का जीर्णोद्धार किया है। इस विभाग की जिम्मेदारी लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव के पास है।

रेप पीड़िता को गर्भपात करवाने की 'सुप्रीम' इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- भ्रूण के जीवित रहने पर देनी होंगी सभी सुविधाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रेप-दुष्कर्म के बाद गर्भपात की इजाजत का मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने 28 हफ्ते की गर्भवती महिला को गर्भपात की इजाजत दी है, मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट देखने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला लिया। रिपोर्ट के मुताबिक-महिला का गर्भपात किया जा सकता है, सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि चिकित्सीय प्रक्रिया के बाद, यदि भ्रूण जीवित पाया जाता है तो अस्पताल को भ्रूण के जीवित रहने को सुनिश्चित करने के लिए सभी सुविधाएं देनी होंगी।

बच्चे को कानून के अनुसार गोद देने के लिए सरकार कानून के मुताबिक कदम उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाई कोर्ट में की कार्यशैली पर भी सख्त टिप्पणी की।

गुजरात हाईकोर्ट के आदेश पर सवाल

सुनवाई के दौरान एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट पर सवाल उठाया और कहा कि शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने आदेश जारी कर दिया। देश में कहीं भी नहीं होता कि कोई अदालत अपने से बड़ी अदालत के खिलाफ आदेश जारी करे, हमें आदेश को उचित ठहराने की ज़रूरत नहीं है, इसके अलावा मुझे यह कहते हुए खेद है कि लिया गया दृष्टिकोण संवैधानिक दर्शन के विरुद्ध है? आप कैसे अन्यायपूर्ण स्थिति कायम रख सकते हैं और बलात्कार पीड़िता को गर्भधारण के लिए मजबूर कर सकते हैं? पीड़िता को आज या मंगलवार सुबह 9 बजे अस्पताल में ले जाएं।

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

» जस्टिस गीता मित्तल कमेटी ने सौंपी तीन रिपोर्ट्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा पर जस्टिस (रिटायर्ड) गीता मित्तल कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि मणिपुर हिंसा को लेकर जस्टिस गीता मित्तल की कमेटी ने तीन रिपोर्ट सौंपी हैं। कोर्ट ने अब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को देखने और इन रिपोर्ट्स पर जवाब देने को कहा है। बता दें कि मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर हुई थी।

इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की तीन पूर्व महिला जजों की एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी

को मणिपुर में राहत और पुनर्वास कार्यक्रमों की देखरेख करने की जिम्मेदारी दी गई थी। कमेटी का अध्यक्ष जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल को बनाया गया था। साथ ही इस कमेटी में जस्टिस (रिटायर्ड) पी जोशी और जस्टिस (रिटायर्ड) आशा मेनन को भी शामिल किया गया था।

जी-20 के कार्यक्रम से चुनाव साधना चाहती है बीजेपी : अखिलेश यादव

योगी सरकार पर साधा निशाना, बोले- सांडों की वजह से हादसों से रोज हो रही मौत

» 2024 को लेकर गठबंधन के सभी नेता तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार टी-20 कार्यक्रम के जरिए चुनाव साधने की कोशिश कर रही है. अखिलेश ने कहा कि अगर सरकार इतनी जगहों पर ऐसे कार्यक्रम कर रही है, तो ऐसा ही एक कार्यक्रम सरकार को मणिपुर में करना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि जी-20 का अगर एक कार्यक्रम मणिपुर में भी हो जाए तो दुनिया में अच्छा संदेश जाएगा। परिवारवाद के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा कि आप के ही कार्यक्रम में एक और नेता सुबह आकर गए हैं जो कि परिवारवाद की ही देन हैं, यहां उन्होंने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा।

अखिलेश ने कहा कि हम सिर्फ लोकसभा की टिकट दे सकते हैं जिता नहीं सकते, कोई नेता जीतता है तो ये जनता की वजह से है, अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधि को चुना जाता है हम किसी को जिता नहीं सकत, हर कोई लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत ही जीतता है। अखिलेश यादव ने इस दौरान यूपी सरकार पर भी निशाना साधा। अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी में ट्रैफिक में नई भर्ती हुई है, जिसकी वजह से

हादसों में बढ़ोतरी हुई है। अखिलेश ने सांडों को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला कि सांडों को यह नंदी मानते हैं। उन्होंने कहा कि इस राज्य में स्टूडेंट्स का एक गुट वाइस चांसलर को पीट देता है, आप सिर्फ झूठे सपने दिखाते हैं, आप एक्सप्रेसवे के नाम पर झूठ बोल रहे हैं, कभी बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जाइए, बचपन में जो झूला हम सभी ने झूला होगा वो याद आ जाएगा, इसके बाद अखिलेश ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को लेकर कहा कि वो समाजवादियों की देन थी, इन्होंने सिर्फ नाम हटा दिया है, इस दौरान अखिलेश ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की तारीफ भी की लेकिन साथ ही निशाना भी साधा अखिलेश ने कहा कि उन्होंने अच्छा काम तो किया है लेकिन आप उनसे पूछिए इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों के हिसाब से एक्सप्रेसवे क्यों नहीं बना, अखिलेश ने कहा कि आपने सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया है, सर्विस लेन क्यों नहीं बनाई गई। 2024 को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन के सभी नेता तैयार हैं। हमारी मीटिंग के बाद आपने 40 लोगों की मीटिंग बुलाई।

अगले महीने क्षत्रिय एकीकरण सम्मेलन करेगी पार्टी

घोसी विधानसभा उपचुनाव में क्षत्रिय प्रत्याशी उतारने के बाद अब सपा ने अपने इस फैसले का राजनीतिक लाभ लेने की योजना बनाई है। इसके तहत अगले माह क्षत्रिय समाज के तीन बड़े सम्मेलन लखीमपुर खीरी, बांदा और प्रतापगढ़ में किए जाएंगे। इन्हें 'सामाजिक एकीकरण सम्मेलन' नाम दिया गया है। पीडीए के अपने मुख्य नारे के बीच सपा ने घोसी में क्षत्रिय प्रत्याशी सुधाकर सिंह को उतारा है। इसके पीछे यह संदेश देने की कोशिश है कि सपा वंचित वर्ग होने के नाते पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रही है, पर उसे सामान्य वर्ग से भी कोई परहेज नहीं है। सपा नेतृत्व ने जहां घोसी के राजनीतिक व सामाजिक समीकरण में सुधाकर सिंह को प्रत्याशी बनाना मुफीद समझा, वहीं इसके जरिए पूरे प्रदेश में क्षत्रिय समाज के बीच पैठ बढ़ाने की रणनीति पर भी काम शुरू कर दिया है।

लोकतंत्र बचाने के लिए भाजपा को बेदखल करना जरूरी : किरनमय नंदा

सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कहा है कि देश इस समय संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। संसदीय मूल्यों पर भी संकट है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए भाजपा को सत्ता से बेदखल करना बेहद जरूरी है। किरनमय नंदा प्रदेश सपा मुख्यालय पर मिश्रिख संसदीय क्षेत्र के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। इसमें सीतापुर, हरदोई और कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष, जोनल प्रभारियों और पूर्व प्रत्याशियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि मतदान का प्रतिशत ब?ाने और मतदाताओं के साथ संपर्क पर विशेष जोर देना होगा। बैठक में पूर्व मंत्री आरके चौधरी, सीतापुर के जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव, कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष मुनींद्र शुक्ला, हरदोई के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, निर्भय सिंह, पूनम सरोज आदि ने भी अपनी बातें रखीं।

निकाह से पहले ही तीन तलाक शुरू : शहजाद पूनावाला

» आप-कांग्रेस में वार-पलटवार पर बीजेपी नेता ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा ने विपक्षी एकता इंडिया पर निशाना साधा है। इससे पहले शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी। कांग्रेस ने केजरीवाल पर पलटवार किया और उन्हें पिछली शीला दीक्षित सरकार के प्रदर्शन की तुलना अपनी सरकार से करने की चुनौती दी। इस पर गृहमंत्री अमित शाह का जिक्र करते हुए भाजाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ट्वीट किया है।

पूनावाला ने लिखा है कि निकाह से पहले तीन तलाक। कांग्रेस ने कहा है कि वो दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी कहती है कि कांग्रेस का अस्तित्व नहीं है। दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख अनिल चौधरी ने केजरीवाल को भ्रष्टाचारी कह दिया। केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार पर निशाना साधा। गुंडू राव के बाद पवन खेड़ा ने दिल्ली मॉडल पर निशाना साधा। अलका लांबा केजरीवाल को आप के ठग कहती हैं। इसका मतलब अमित हमेशा सही हैं। काम खत्म, दोस्ती खत्म।

सपा सामंजस्य बनाने में सहयोग करे : राय

» इंडिया को जिताने के लिए एकजुटता दिखानी होगी: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के नये अध्यक्ष अजय राय ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से इंडिया गठबंधन को पूरा सहयोग देने की अपील की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस बयान पर कि बड़ी पार्टी को बड़ा दिल रखना होगा के जवाब में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजस राय ने कहा है कि हमारा दिल बहुत बड़ा है। यही वजह है कि पूरे देश में क्षेत्रीय दलों को एकजुट कर रहे हैं। यदि हमारा दिल बड़ा न होता तो हम यह मुहिम क्यों चलाते? जहां तक यूपी की बात है तो यहां सपा को भी बड़ा दिल दिखाना होगा। दिल तभी मिलते हैं, जब दोनों तरफ से मोहब्बत बढ़े। हम दिल बड़ा कर मोहब्बत दिखा रहे हैं। ऐसे में सपा को भी सामंजस्य बनाने में सहयोग करना होगा, ताकि दूसरे दलों को एकजुट होने में किसी तरह की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि पहले बात कुछ और थी।

अब हालात कुछ और हैं। मुझे भरोसा है कि इस बार इंडिया का अभियान रंग दिखाएगा और कांग्रेस के नेतृत्व में दिल्ली में सरकार बनेगी। उत्तर प्रदेश में गठबंधन को ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलेंगी।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी में प्रियंका शामिल

कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) में उत्तर प्रदेश का दबदबा बढ़ गया है। अब इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी के साथ ही प्रियंका गांधी भी शामिल हो गई हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सलमान खुर्शीद पहले की तरह काबिज हैं। जबकि सीडब्ल्यूसी से राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी बाहर हो गए हैं। विशेष आमंत्रित सदस्य पीएल पुनिया और लल्लू सिंह को भी इस बार जगह नहीं मिली है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपालन ने रविवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की घोषणा कर दी है। इसमें उत्तर प्रदेश की प्रभारी रह चुकीं और अभी तक आमंत्रित सदस्य रहीं प्रियंका गांधी को वर्किंग कमेटी में जगह दी गई है। इसी तरह उत्तर प्रदेश से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सलमान खुर्शीद को फिर से शामिल किया गया है। इंचार्ज के रूप में राजीव शुक्ला बरकरार हैं। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सुप्रीया श्रीनेत को मौका मिला है। अब तक विशेष आमंत्रित सदस्य रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लल्लू सिंह और पीएल पुनिया को जगह नहीं मिली है। मालूम हो कि कांग्रेस के करीब 1256 प्रांतीय कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) सक्रिय सदस्य हैं। आठ पीसीसी सदस्य पर एक एआईसीसी चुने जाते हैं। इन्हीं सदस्यों को सीडब्ल्यूसी में जगह मिलती है।

मोदी सरकार में हुआ सड़क का महाघोटाला

» संजय बोले- यूपी में आप करेगी प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार के महाघोटाले के खिलाफ 24 अगस्त को यूपी के सभी जिलों में आम आदमी पार्टी धरना प्रदर्शन आंदोलन करेगी। संजय सिंह ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि द्वारका एक्सप्रेसवे का प्रोजेक्ट 18 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर की लागत के हिसाब से बनाना था, लेकिन इन्होंने 18 करोड रुपये प्रति किलोमीटर में बनने वाली सड़क को 250 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर में बनाया। इसी तरह भारत माला प्रोजेक्ट में पूरे देश में 75000 किलोमीटर की सड़क बननी थी।

7.5 लाख करोड रुपये का घोटाले की योजना बनाई है। सीएजी की रिपोर्ट में अयोध्या के अंदर डेवलपमेंट अथॉरिटी के द्वारा अयोध्या डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में करीब 19 करोड़ 73 लाख और इसी तरह आयुष्मान योजना में मृतकों का इलाज कर करोड़ों का घोटाला किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी के इस महाघोटाले के खिलाफ आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन आंदोलन करेगी और महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

सिर्फ वादे कर रहे केजरीवाल, नहीं दी मुफ्त बिजली : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली की जनता को बताएं कि वह जो चुनावी वादे कर रहे हैं, उनमें से कितने दिल्ली में लागू कर पाए हैं। उत्तराखंड से शुरू होकर गुजरात, गोवा, कर्नाटक और अब छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश में उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर रहे हैं। तीन हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता, सभी वयस्क महिलाओं के लिए 1000 रुपये, मुफ्त परीक्षण, दवा, नए अस्पतालों के साथ ऑपरेशन, अस्थायी और तदर्थ कर्मचारियों का नियमितीकरण और संविदा नौकरियों की समाप्ति का ढोल पीट रहे हैं। उन्होंने कहा दिल्ली सरकार के कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों में तैनात सफाईकर्मी, गार्ड, नर्सिंग स्टाफ, डेटा ऑपरेटर और शिक्षक जैसी कई सेवाएं भी अनुबंधित कंपनियों के माध्यम से ली जाती हैं। यहां तक कि दिल्ली की बस सेवा भी निजी क्लस्टर बसों पर निर्भर है। उन्होंने सिर्फ सपनों का गारंटी कार्ड बनाया है, जिसे वह दिल्ली में पूरी तरह से लागू किए बिना पूरे देश में बेचने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए वे जिन राज्यों में भी गए हैं, वहां की जनता ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया है।

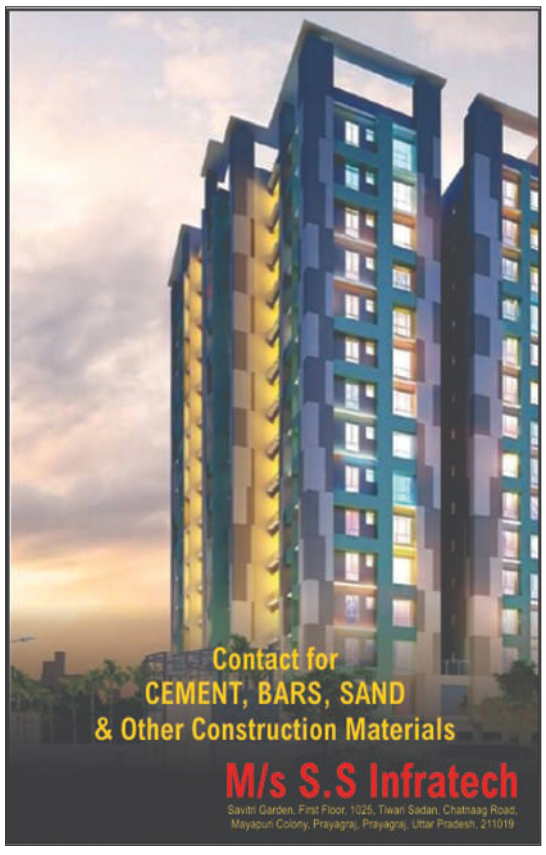

कांग्रेस-भाजपा में वार-पलटवार, चुनावी रण तैयार

दिग्गज नेताओं के आने लगे सियासी बयान

- इंडिया बनाम एनडीए में तीखी बहस जारी
- 2024 चुनाव की वैतरणी करनी है पार
- इंडिया की तीसरी बैठक में भी रहेगी कुर्सी खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साल के आखिर में विधानसभा चुनाव व अगले साले होने वाले लोक सभा चुचाव को लेकर कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार तेज हो गया है। दोनों पार्टियों के दिग्गज नेता एक-दूसरे को घेरने का कोई मौका गंवाना नहीं चाहते हैं। कांग्रेस जहां एनडीए गठबंधन को कोसने में पीछे नहीं हट रही है तो भाजपा भी इंडिया गठबधन को पानी पी-पी कर निशाने पर लेती रहती है। मोदी, शाह, योगी, गडकरी से लेकर हर छोटा बड़ा नेता हर मंच से कांग्रेस व उसके सहयोगियों को घेरते रहते हैं। उधर कांग्रेस व विपक्ष के अन्य दल भी मोदी व बीजेपी सरकार की हर योजना की आलोचना करने में देर नहीं लगाते है। ऐसा लगता है जैसे-जैसे चुनाव करीब आएंगे वार और तीखे होते जाएंगे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप को सिरे से नकारा है। गडकरी ने कहा, जो पाप करेगा, वो भोगेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे पास ईको फ्रेंडली साबुन है! राजनीति में लोग आते हैं, जाते हैं... ये सब चलता ही रहता है। गडकरी ने कहा, चुनाव में जीतने की राजनीति ही इंपॉर्टेंट होती है, जो जीतता है वही सिकंदर होता है। कभी-कभी अलायंस में पार्टनर लेने पड़ते हैं, ताकत बढ़ानी पड़ती है। हम भी ताकत बढ़ाते हैं।

बीजेपी नेता दुष्यंत कुमार गौतम ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया पर कटाक्ष किया है। दुष्यंत गौतम ने कहा कि इंडिया की पहली बैठक से दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल गायब रहे। दूसरी बैठक में बिहार के सीएम नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए। अब तीसरी बैठक में कौन शामिल होगा इस बात का भी कुछ पता नहीं है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया पर निशाना साधा है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि विपक्षी दलों का कोई भी गठबंधन कहीं भी नहीं चलेगा। बीजेपी नेता ने विधानसभा चुनाव में लड़ने वाले विपक्षी दलों पर भी हमला बोला। दुष्यंत ने कहा कि पंजाब में आप, कांग्रेस को एक भी सीट नहीं देगी। दिल्ली में उनकी हालत खराब हैं, इसलिए वह (अरविंद केजरीवाल) सीट बंटवारे की बात कर सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में घुसने नहीं देगी। महाराष्ट्र में भी उनकी स्थिति खराब हैं। दुष्यंत ने इंडिया को स्वार्थी और नाटकीय स्वभाव का भी बताया। उन्होंने कहा कि स्वार्थ से किया गया कोई भी कार्य कभी पूरा नहीं होता। ये लोग मोदी विरोधी हैं। वे लोगों को क्या ऑफर दे रहे हैं, ये तो उन्हें भी अभी तक पता नहीं है।

चुनावी सफलता की उम्मीद में कांग्रेस

मध्यप्रदेश में नवंबर-दिसंबर में होने वाले चुनाव में कांग्रेस कर्नाटक जैसी चुनावी सफलता की उम्मीद लगा रही है। पार्टी की चुनावी तैयारियां भी काफी हद तक उसी तर्ज पर चल रही हैं। इसमें कोई जोखिम की गुंजाइश न रहे इसके लिए खरगे ने मध्यप्रदेश के कांग्रेस प्रभारी जयप्रकाश अग्रवाल को हटाकर उनकी जगह कर्नाटक कांग्रेस के प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला को मध्यप्रदेश का भी अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। आशय साफ है कि सुरजेवाला अब सीधे मध्यप्रदेश चुनाव की रणनीति का संचालन करेंगे। सुरजेवाला पहले बतौर वरिष्ठ केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर परोक्ष रूप से सूबे की चुनावी निगहबानी के लिए तैनात किए गए थे। लेकिन भाजपा की मजबूत चुनावी मशीनरी और चुनौती को देखते हुए कांग्रेस जयप्रकाश अग्रवाल जैसी नरम शख्सियत के हाथों में चुनाव की कमान देने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। गुजरात के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सियासी लुटिया आम आदमी पार्टी के उदय ने डूबो दी थी। पिछले दो आम चुनाव से भाजपा ने लगातार वहां की सभी 26 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की और 2024 में भाजपा को ऐसी हैट्रिक से रोकने के लिए कांग्रेस को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ेगा। इसीलिए पार्टी ने राजस्थान के पूर्व मंत्री रघु शर्मा को गुजरात के कांग्रेस प्रभारी पद से हटा दिया और उनकी जगह पार्टी के सबसे वरिष्ठ महासचिव मुकुल वासनिक को बतौर प्रभारी प्रदेश की कमान सौंपी है।

कांग्रेस ने प्रदेशों पर गड़ाई नजर

उत्तरप्रदेश में बृजलाल खाबरी को हटा अजय राय को प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त कर पार्टी ने सूबे में अपनी राजनीतिक किस्मत बदलने की पहल की नई शुरूआत की है। जबकि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने के लिए पूरा जोर लगा रही पार्टी ने कर्नाटक में कांग्रेस की कामयाबी के मुख्य रणनीतिकार रहे रणदीप सुरजेवाला को अब सूबे का नया प्रभारी कांग्रेस महासचिव बनाया है। वहीं, मुकुल वासनिक को गुजरात कांग्रेस का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया है। चुनावी तैयारियों पर राज्यों की इकाईयों के साथ लगातार चर्चा कर रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरूवार को इन अहम नियुक्तियों को मंजूरी दी। उत्तरप्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी सूबे में न तो पार्टी के राजनीतिक कैडर को प्रभावी नेतृत्व दे पा रहे थे और न ही संगठन की कमजोरी दूर करने की कोई कोशिश होती दिखी। सूबे की प्रभारी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की विधानसभा चुनाव के बाद सक्रियता लगभग थम गई है और प्रदेश इकाई की राजनीतिक गतिविधियां भी ठप हैं। ऐसे में अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की चुनौती कहीं ज्यादा बढ़ गई है और इसके मद्देनजर पार्टी नेतृत्व ने अजय राय जैसे जुझारू नेता को कमान सौंपने का फैसला किया है। कांग्रेस के लिए अहम यह है कि अजय राय के सामने पूरे प्रदेश में पहचान का कोई संकट नहीं है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से राजनीतिक मुकाबला करने में भी उन्हें हिचक नहीं है और दो बार अजय राय का वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने को पार्टी इसका प्रमाण मान रही है। बृजलाल खाबरी को तत्काल प्रभाव से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाने के साथ ही कांग्रेस नेतृत्व ने उत्तरप्रदेश के सभी जोनल कांग्रेस अध्यक्षों को भी हटा दिया है। हालांकि जोनल कांग्रेस के नए अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा अभी नहीं की गई है।

जो एक-दूजे का चेहरा तक नहीं देखते थे, मजबूरी में साथ खड़े हैं! : नितिन गडकरी

गडकरी ने कहा कि राहुल गांधी हास्यास्पद बातें करते हैं। उन्होंने राहुल को सलाह दी कि बातें भी ऐसी वैलिड करो कि लोग भी समझ सकें कि उनमें दम है। गडकरी ने विपक्षी दलों के साथ आकर इंडिया नाम से गठबंधन बनाने पर कहा कि वे अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। गडकरी ने कहा, बीजेपी और एनडीए बहुत मजबूत हुए हैं। हम अकेले इनका सामना नहीं कर सकते हैं, इस मानसिकता में ये दुर्बल लोग एक जगह इकट्ठा आए हैं, मरता क्या नहीं करता। गडकरी ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष की पिछली दुकान का दिवाला पिट गया था, अब उसपर नया बोर्ड लगाया गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें और बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि पिछली बार से 15-20 सीटें ज्यादा ही आएंगी। गडकरी ने कहा, उन्होंने (विपक्ष) इंडिया बनाया, हम भी अपने साथी ढूंढ रहे हैं। ये बात तो सच है कि इसके बाद की राजनीति दो अलायंस में होगी। जिनके विचारों में तालमेल नहीं, जो एक-दूसरे का चेहरा नहीं देखते थे, जो एक-दूसरे के साथ बैठकर चाय नहीं पीते थे... वो हमारी शक्ति के कारण ये मरता क्या नहीं करता वाले एक साथ हो रहे हैं...। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राहुल गांधी पर खूब हमला बोला। राहुल ने पिछले दिनों कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश की संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। इसपर गडकरी ने कहा कि न कोई आरएसएस का आदमी है, न कोई मार्गदर्शन है, न कोई जबरदस्ती है, न चर्चा है.

100 परसेंट गलत बात हैगडकरी ने कहा,मैं आरएसएस का आदमी, मैं किसी से पूछने नहीं जाता। राहुल पर वार करते हुए गडकरी ने कहा, ये कोई मैच्योरिटी का लक्षण नहीं है। मैं यह समझ सकता है कि विपक्ष में विरोध में बातें करनी पड़ती हैं। मैं इतना सलाह दूंगा कि बातें भी ऐसी वैलिड करो कि लोग भी समझ सकें कि उसमें दम है।

चुनावी फ़ायदे के लिए हर कार्यक्रम को इवेंट बना देते है पीएमः जयराम रमेश

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लंबा-चौड़ा ट्वीट किया है।भारत जी20 की मेजबानी कर रहा है। इसको लेकर लगातार तैयारी की जा रही है। सितंबर के दूसरे सप्ताह में विश्व के बड़े नेता जी20 के मुख्य सम्मेलन के लिए दिल्ली में जुटेंगे। इन सब के बीच जी20 के बहाने कांग्रेस ने वर्तमान की केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लंबा-चौड़ा ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि ज्ञ20 का गठन 1999 में हुआ था। 19 देश और यूरोपीयन यूनियन इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी-बारी से 17 देशों में ज्ञ20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है। अब भारत का नंबर है। उन्होंने कहा कि यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी कैंपेन चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ। वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के ज़रूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि इसी नई दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद कॉमनवेल्थ देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फ़ायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया। जयराम रमेश ने कहा कि फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है। 5 अप्रैल 2014 को उन्होंने नरेंद्र मोदी को एक शानदार इवेंट मैनेजर बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जी20 देशों से जनता की भलाई के लिए प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता और नवाचार को सभी के वास्ते सुलभ करने का आग्रह किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कोचिंग संस्थानों में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय

भारत में युवा व किशोरों द्वारा आत्महत्या करना महामारी की तरह फैलता जा रहा है। खास तौर से कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करने वाले छात्रों द्वारा जान देने वाली खबरें में हमेशा छाई रहती हैं। इस वर्ष सैकड़ों विद्यार्थियों की जान चली गई। इस तरह की बढ़ती घटनाओं पर मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि छात्रों पर पढ़ाई केअतिरिक्त परिवार व समाज का इतना दबाव होता है कि वह उसको झेल नहीं पाते है इसलिए वह अपनी जान दे देते हैं। ऐसी बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सरकारी स्तर पर कोई नीति बनाने की आवश्यकता है। इसमें बच्चों की काउंसिलिंग समेत कोचिंग संस्थानों के लिए दिशा निर्देश देने की जरूरत है। साथ ही शिक्षा नीति में ऐसी चीजें जोड़ने की जरूरत हे जिससे कि युवाओं का उत्साह बना रहे है और वह अन्य विकल्पों की तरफ झुकें जाकि जीवन को खत्म करने के बार में न सोंचे।

दरअसल इस साल कोचिंग संस्थानों के गढ़ कोटा में 21 छात्रों ने आत्महत्या की जिनमें से 14 एक ही संस्थान से थे। संस्थान के एक प्रतिनिधि ने स्पष्ट किया कि कोचिंग संस्थान नौवीं-दसवीं के छात्रों को नहीं बुलाते हैं लेकिन शिक्षा प्रणाली ऐसी है कि माता-पिता अपने बच्चों के लिए बेहतर विकल्प चाहते हैं। बढ़ती हुई घटनाओं के मद्देनजर सीएम गहलोत ने बैठक की और जानना चाहा कि कोचिंग संस्थान में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं क्यों होती हैं। अब राज्य सरकार इस मुद्दे के प्रति संवेदनशील रही है और समय-समय पर राज्य के कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को तनावमुक्त तथा सुरक्षित माहौल मुहैया कराने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। गहलोत ने राज्य में और खास तौर से कोटा के कोचिंग संस्थानों में आत्महत्या के बढ़ते प्रकरणों के मद्देनजर उनकी रोकथाम के उपाय सुझाने के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर 15 दिनों में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। संवाद में इन कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं इनसे सम्बन्धित सामयिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। हालात बदलने का समय आ गया है क्योंकि बच्चों को आत्मघाती कदम उठाते हुए नहीं देखा जा सकता। 9वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों का कोचिंग संस्थानों में दाखिला करवाया जाता है जो अपराध जैसा ही है क्योंकि इससे उन पर अतिरिक्त भार पड़ता है। ऐसा लग रहा है मानों कोई आईआईटीयन (आईआईटी का छात्र) बन गया तो खुदा बन गया। कोचिंग में आते ही छात्रों का स्कूलों में डमी नामांकन करा दिया जाता है। यह माता-पिता की भी गलती है। उन पर बोर्ड परीक्षा पास करने और प्रवेश परीक्षा की तैयारी का दोहरा भार रहता है।

“ खास तौर से कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करने वाले छात्रों द्वारा जान देने वाली खबरें में हमेशा छाई रहती हैं। इस वर्ष सैकड़ों विद्यार्थियों की जान चली गई। इस तरह की बढ़ती घटनाओं पर मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि छात्रों पर पढ़ाई केअतिरिक्त परिवार व समाज का इतना दबाव होता है कि वह उसको झेल नहीं पाते है इसलिए वह अपनी जान दे देते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिमला जैसे खतरे की जद में हैं कई शहर

जयसिंह रावत

कभी जम्मू-कश्मीर तो कभी हिमाचल प्रदेश और कभी उत्तराखण्ड में दैवी आपदाओं की होड़ लगी है। ये आपदायें प्रकृति की नाराजगी के स्पष्ट संकेत हैं जिन्हें हम पढ़ नहीं पा रहे हैं। यहां तक कि अपने ही वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों की चेतावनियों की अनदेखी की जा रही है। जिसका दुष्परिणाम हम जोशीमठ और शिमला में देख रहे हैं। इससे पहले प्रकृति का रौद्र रूप हम 2013 में केदारनाथ में देख चुके हैं। अमरनाथ में भी 1996 और 2012 में देख चुके हैं। नैनीताल में सन् 1880 में हुए भूस्खलन में 151 लोगों के कालग्रस्त होने का इतिहास हम नहीं भूले हैं। अब वहां बनिया नाला लोगों को बेचैन कर रहा है। भूस्खलन की जो भयावह तस्वीर शिमला की नजर आयी वैसी ही आशंका पहाड़ों की रानी मसूरी में भी नजर आ रही है।

सन् 1864 में जब अंग्रेजों ने शिमला को अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया था तो उसकी आबादी मात्र कुछ सैकड़ा में थी। आजादी के बाद हुई जनगणना में वहां की आबादी 46,150 दर्ज हुई जो कि हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्य घोषित होने पर 1971 में 56,032 हो गयी। अब तक की नवीनतम 2011 की जनगणना में वहां की जनसंख्या 1,69,578 हो गयी। सन् 2011 में मात्र 36 वर्ग किमी में फैले शिमला शहर का जनसंख्या घनत्व 4,800 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो चुका था। शिमला नगर निगम के रिकार्ड के अनुसार इस छोटे से क्षेत्रफल में 34 वार्ड और 46,306 घर हैं। फिलहाल देश में नयी जनगणना तो नहीं हुई मगर शिमला की वर्तमान जनसंख्या 2.32 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि एक छोटा-सा शिमला इतने अधिक लोगों और उनकी असीमित जरूरतों के बोझ को कब तक ढो सकेगा? आबादी बढ़ने के साथ ही नगर का विस्तार हो रहा है। जिसके लिये हरियाली और खास कर वृक्षों का पातन और उनकी जगह इमारतों के जंगल उग रहे हैं। नतीजतन अत्यधिक बोझ के कारण जमीन मकानों समेत खिसक रही है। संकट केवल शिमला का नहीं है। हिमालय के लगभग सभी शहरों की स्थिति शिमला जैसी ही है।

जोशीमठ हमारे सामने शिमला से भी ज्वलंत उदाहरण बनकर सामने आ गया था। इसरो और रिमोट सेंसिंग एजेंसी द्वारा इसी साल फरवरी में भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील भारत के जिन 147 जिलों का एटलस जारी किया गया है उनमें 108 जिले केवल

हिमालयी राज्यों के हैं। जिनमें सभी 13 जिले उत्तराखंड के तथा हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 जिले हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के भी 8 जिले संवेदनशील जिलों की सूची में इसरो ने शामिल किये हैं। संवेदनशीलता की दृष्टि से शिमला जिला 61वें नम्बर पर है। जब ये स्थिति हम शिमला की देख रहे हैं तो उसी हिमाचल के बाकी संवेदनशील जिलों पर मंडराते खतरे की कल्पना की जा सकती है। इसरो और रिमोट सेंसिंग के नवीनतम भूस्खलन संवेदनशीलता एटलस पर गौर करें तो उत्तराखंड की स्थिति बेहद चिंताजनक नजर आती है। भूस्खलन की दृष्टि से देश के सर्वाधिक संवेदनशील जिलों में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी जिले हैं, जिन्हें नम्बर एक और दो पर रखा गया है। सन् 1998 में केदारघाटी के मनसूना और गौंडार क्षेत्र में कई गांव खिसक गये थे। उसी साल 18 अगस्त को पिथौरागढ़ के मालपा में हुए भूस्खलन में प्रोतिमा बेदी समेत लगभग 200 मानसरोवर यात्री और अन्य लोग मारे गये थे। शिमला और जोशीमठ भविष्य के लिए प्रकृति की गंभीर चेतावनी है। इन दो नगरों की ही जैसी बाकी पहाड़ी नगरों की कहानी है। आर्थिक गतिविधियों के कारण पर्यटन, तीर्थाटन के महत्व के चलते छोटे कस्बों में आसपास के गांवों की ओर जनसंख्या आकर्षित होने लगी और ये कस्बे धीरे-धीरे नगरों में बदलने लगे। प्रशासनिक दृष्टि से ब्लाक, तहसील और जिला मुख्यालयों में जन-सुविधाओं और आर्थिक कारणों से जनसंख्या बढ़ने लगी तो ये छोटे कस्बे भी नगर और महानगर बनने लगे। लेकिन इस तेजी से हो रहे नगरीकरण पर शासन-प्रशासन आंखें मूंदता गया और नगरों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान या नगर नियोजन की जरूरत नहीं समझी गयी।

दरअसल, ये जितने भी पहाड़ी नगर हैं वे पहाड़ से आये भूस्खलनों पर बसे हुए हैं, जिनकी धारक क्षमता सीमित है। इनमें से कुछ भूस्खलन सक्रिय रहे तो कुछ सुप्त हो गये जो कि अब जनसंख्या के दबाव में जाग्रत हो रहे हैं। उत्तरकाशी का वरुणवत बड़ी मुश्किल से थमा है। नगरों की जमीन के ऊपर इमारतों के जंगलों का बोझ और बिना सीवरलाइन के इमारतों का मलजल सोकपिटों के माध्यम से धरती के अंदर जाने से पहाड़ी नगरों के नीचे दलदल होता गया, जैसा कि जोशीमठ में हुआ।

सामुदायिक सहिष्णुता और समरसता का मॉडल

सूरजभान भारद्वाज व महाबीर जागलान

देश की राजधानी दिल्ली के समीप तीन प्रांतों, हरियाणा, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में फैला मेवात क्षेत्र एक साझी संस्कृति की पहचान रखता है। भारत के विभाजन के समय जब देश के अनेक हिस्से साम्प्रदायिक हिंसा से ग्रस्त थे तब भी मुस्लिम बहुल ये इलाका साम्प्रदायिक दंगों से मुक्त था। जब मुस्लिम लीग के बहकावे में आकर कुछ लोग पाकिस्तान की ओर पलायन कर रहे थे तो इस इलाके के एक जाने-माने नेता चौधरी मोहम्मद यासीन खान के आग्रह पर स्वयं गांधी जी मेवात वासियों से पाकिस्तान न जाने की अपील करने मेवात के एक गांव घासेड़ा पहुंचे थे। इसके फलस्वरूप सरहद पार कर पाकिस्तान पहुंचे हजारों मेवाती वापस भारत लौट आए। पाकिस्तान से उनके लौटने का एक कारण वहां की सांस्कृतिक कट्टरता और परिस्थिति में न ढल पाना भी माना जाता है।

आजादी के पिछले 75 साल में अनेक सांप्रदायिक दंगे हुए, लेकिन अयोध्या में विवादास्पद ढांचे के गिराने और 2002 की गुजरात हिंसा के बाद भी इस क्षेत्र में प्रतिक्रिया नहीं हुई। अभी 31 जुलाई को नूंह कस्बे के पास कुछ धार्मिक शोभा यात्रियों और स्थानीय युवकों की टोलियों के बीच हुई हिंसक झड़पें भी साम्प्रदायिक दंगे का रूप नहीं ले पाई, स्थानीय बहुसंख्यकों और अल्पसंख्यकों के बीच सामाजिक सौहार्द बना रहा। दरअसल, हरियाणा में खेती और पशु पालन व्यवसाय से जुड़े कुछ कृषक समुदाय धर्म से सम्बद्ध होते हुए भी आमतौर पर संस्थागत धर्म के अनुपालन से परहेज करते रहे हैं। साल 1840-42 में जब मेवात में परिवार गणना की गई तो एक ब्रिटिश अधिकारी ने लिखा कि यहां एक-तिहाई परिवारों को यह पता ही नहीं कि वो मुस्लिम हैं या हिन्दू। मेव अपनी वंशावली चन्द्रवंशी राजपूतों से जोड़ते हैं। मेवात में सामाजिक समारोहों में स्थानीय बोली में 'पान्डून को कड़ो' गाया जाता रहा है जिसमें महाभारत के नायकों अर्जुन और भीम का उल्लेख अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले योद्धाओं के रूप में किया जाता था। मेव संस्कृति में न्याय और अन्याय से सम्बद्ध कला प्रस्तुतियों को विशेष महत्व दिया जाता रहा है। यहां अली बक्स के सांग जिन्हें स्थानीय बोली में तमाशा कहा जाता था, बहुत लोकप्रिय रहे हैं। इनमे कृष्ण लीला और नल दमयंती के किस्से बहुत चाव से सुने जाते थे।

कंस के अत्याचारों और श्रीकृष्ण द्वारा उसके वध के मंचन बहुत जनप्रिय होते थे। मेव समाज धार्मिक संकीर्णता से दूर रहा है और 20वीं सदी तक इस पर इस्लामी तौर-तरीकों का असर आंशिक ही रहा। इस सन्दर्भ में 1902 की एक घटना उल्लेखनीय है। भिवाड़ी और तिजारा के बीच बसे गांव टपुकडा में हनुमान जी का मेला लगता था। कुछ मेव चौधरियों ने उस स्थान पर मस्जिद बनाने का फैसला लिया और वहां मस्जिद बनानी शुरू कर दी। इसके लिए उन्होंने हर घर से एक रुपया लेने का फैसला किया। लेकिन मेवों ने यह कहकर पैसे देने से इंकार कर दिया कि वे हनुमान जी के मेले स्थल पर मस्जिद नहीं बना सकते और वहां मस्जिद कभी नहीं बन पाई। बहुत लम्बे समय तक मेवों में शादी में निकाह की रस्म काजी करवाता था व बाकी रस्में हिन्दू रीति-रिवाजों के अनुसार होती थी। फसल उपज से जुड़े होली और दीवाली त्योहार मेव वैसे ही मनाते थे जैसे हिन्दू।

मेव समुदाय के राजनीतिक इतिहास में भी साम्प्रदायिकता नहीं झलकती। जिआउद्दीन बरनी ने 13वीं सदी की घटनाओं के आधार पर लिखा कि बलबन और अलाउद्दीन खिलजी जैसे ताकतवर सुल्तान भी मेवों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने में असफल रहे। हसन खां मेवाती की सरदारी में मेव बाबर के खिलाफ पहले पानीपत में लड़े और फिर खानवा की लड़ाई में। अकबर ने सूझबूझ से मेवों को डाक व्यवस्था के माध्यम से प्रशासन से जोड़ा। भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम 1857 में मेवों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया तो उन्हें कुचलने के लिए सेना भेजी गई लेकिन वो भी मेवात पर नियंत्रण नहीं स्थापित कर पाए। लगातार विरोध के कारण ब्रिटिश सरकार ने मेवों को आपराधिक जनजाति भी घोषित कर दिया। इसके बावजूद वो वतन प्रेमी नागरिक बने रहे और इसका सबूत है 1947 में उनका धर्म के नाम पर देश के बंटवारे का विरोध और भारत में रहने का फैसला। आज हरियाणा का मेवात क्षेत्र बेहद पिछड़ा इलाका है। नीति आयोग ने 2018 में नूंह को पिछड़े जिलों की सूची में सबसे ऊपर रखा है। विकास के लगभग हर सूचकांक में नूंह जिला हरियाणा में सबसे पिछड़ा है। 2011 के आंकड़ों के अनुसार यहां सिंचाई के साधनों की कमी के कारण फसल उत्पादकता बहुत कम है तथा रोजगार की कमी की वजह से लोगों की पशुपालन पर निर्भरता बहुत अधिक है। पिछले कुछ वर्षों से गौरक्षा के नाम पर यहां कई ऐसे कटुतापूर्ण मामले सामने आये जिससे यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। वर्तमान में अनेक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं से जूझता मेवात भी देश में सामुदायिक सहिष्णुता और भाईचारे का मॉडल रहा है।

आज मेवात को लेकर संकीर्ण राजनीति की जा रही है। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने भी प्रशासन की एक वर्ग के खिलाफ कार्रवाई का स्वत: संज्ञान लिया है। जैसा हाल नूंह में हुई हिंसा में देखने को मिला कुछ स्थानीय युवक भी साम्प्रदायिक धारणाओं से भ्रमित हो जाएं। यदि मेवात जैसा इलाका हिंसा से जरा सा भी प्रभावित होता है तो क्षेत्र में शांति से रह रहे दोनों समुदायों के लिए ही नहीं, पूरे देश और वर्तमान विकास के मॉडल के लिए अच्छी स्थिति नहीं होगी। गुरुग्राम में अनेक बड़ी विदेशी कंपनियों के दफ्तर हैं। कई विदेशी और देशी कम्पनियां दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे कॉरिडोर में पूंजी लगाने की इच्छुक होंगी जिसका एक हिस्सा मेवात में पड़ता है। क्या सामाजिक सौहार्द के बिना किसी क्षेत्र में विकास संभव है?

एकदम फिट रहना है तो रोज चलें 5,000 कदम

60 साल से कम उम्र के लोगों में दिखा फायदा

नई स्टडी में जो नतीजे सामने आए हैं उसमें सबसे ज्यादा फर्क 60 साल से कम की उम्र के लोगों में देखा गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि कार्डियो वैस्कुलर बीमारियों के इलाज के लिए लोग दवाईयां पर भरोसा कर रहे हैं लेकिन उनके अनुसार, दवाईयों के अलावा अच्छी डाइट, एक्सरसाइज और अपने लाइफस्टाइल में बदलाव करके इन समस्याओं का जोखिम कम कर सकते हैं।

चलने के फायदे

शोधकर्ताओं से बताया कि अपनी रुटीन में नियमित एक्सरसाइज को जोड़कर आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं। चलने से आपका ब्लड प्रेशर कम होगा, हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। इससे आपका एनर्जी लेवल बढ़ेगा। इसके अलावा अच्छी वॉक के साथ-साथ अच्छी डाइट और वजन नियंत्रित रखकर आप अपने आप को फिट रख सकते हैं। इसके अलावा इससे आपकी मैंटल हेल्थ भी अच्छी रहती है।

चलना स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद है यह तो सब जानते हैं। आपने कई बार सुना होगा कि रोज 10,000 कदम चलने से आप कई तरह की बीमारियों से दूर रह सकते हैं। परंतु हाल ही में आई नई स्टडी के नतीजे आपको थोड़ा चौंका सकते हैं। इस स्टडी में यह बताया गया है कि अगर आप 5,000 से भी कम कदम चलते हैं तो आपको अपने शरीर में कई फायदे देखने को मिल सकते हैं। स्टडी करीबन 226,00 लोगों के ऊपर की गई जिसमें यह साबित हुआ कि 4,000 कदम चल कर आप छोटी उम्र में मरने का खतरा कम कर सकते हैं। इसके अलावा सिर्फ 2300 कदम चलने से आपके दिल और रक्त वाहिकाओं को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं।

2300 कदम चलने से आपके दिल और रक्त वाहिकाओं को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं।

ऐसे डालें चलने की आदत?

रुटीन में चलने की आदत शामिल करने के लिए आप बस या कार की जगह पैदल चलना चुन सकते हैं। यदि आप ऑफिस में काम करते हैं तो उठने और बाहर जाने के लिए एक गोल सेट करें। इसके अलावा प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए चलना सबसे अच्छी एक्सरसाइज हो सकती है। दोस्तों के साथ आप पार्क या फिर किसी जगह घूमने के लिए जा सकते हैं। इसके अलावा यदि आपने घर में कुत्ता रखा है तो उसको सैर करने के लिए लेकर जाएं।

गलत लाइफस्टाइल

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों की मानें तो अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि के कारण हर साल 3.2 मिलियन मौते हो रही हैं। इसके अलावा ज्यादा लंबे समय तक बैठे रहने के कारण पीठ की समस्याएं भी हो सकती हैं। खासकर जो लोग ऑफिस वर्क करते हैं उन्हें सारा दिन एक ही तरह बैठना पड़ता है जो जीवन में बाद में ज्यादा समस्याएं खड़ी कर सकता है। कुछ देर खड़े होना, शारीरिक गतिविधि और कुछ कार्य करके आप एकदम फिट रह सकते हैं।

हंसना मना है

गणित का सवाल- अगर लड़के के पास 2500 रुपये हैं, और फिर लड़की ने उसको हल्की सी मुस्कान दी तो लड़के के पास कितने रुपये बचेंगे?

फोन आया- मैडम, आपका अकाउंट हैक हो गया है, मैडम- फेसबुक अकाउंट? बैंक वाला- नहीं मैडम, बैंक अकाउंट! मैडमः थैंक गॉड! आपने तो मुझे डरा ही दिया था?

काका-कमर में बहुत दर्द है, जरा गुप्ता जी के घर से आयोडेक्स ले आओ। काकी-वो नहीं देंगे वो बहुत कंजूस है। काका- हां, है तो खानदानी कंजूस साले, पता नहीं इतना पैसा लेकर कहा जाएंगे..मर जाएंगे यू ही, ऐसा करो तुम अलमारी से अपनी ही निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है?

दो शेर जंगल में बैठे थे, पास से एक खरगोश गुजरा, आहट सुनकर एक शेर ने दूसरे से पूछा- क्या है? कुछ नहीं, फास्ट फूड है!

रमेश पैराशूट बेच रहा था.. हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंच जाओ.. ग्राहक-अगर पैराशूट नहीं खुला तो..रमेशः तो पैसे वापिस..?

कहानी | अपनी गठरी टटोलें

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहा- भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहा- नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोला- महोदय मैं एक नामी ठग हूं परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरे यात्री बोला- कैसे? पहला यात्री- कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्री- मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोला- तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्री- मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली संभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहां से! ईश्वर नित नई खुशियां हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाख बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाऐगा। अपनी गठरी टटोलें! जीवन में सबसे बड़ा गूढ मंत्र है स्वयं को टटोले और जीवन-पथ पर आगे बढ़ें सफलतायें आप की प्रतीक्षा में है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें।

वृषभ

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी।

कन्या

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु

भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश हो सकता है।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा।

कुम्भ

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी।

मीन

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

उत्पीड़ित मुस्लिम किरदारों से जुड़े सवाल पर जोया अख्तर ने नेटिजन को दिया मुंहतोड़ जवाब

जोया अख्तर और रीमा कागती का शो मेड इन हेवन 2 अपनी स्ट्रीमिंग के बाद से ही सुर्खियों में है। वर्ष 2009 में लक बाय चांस के साथ डायरेक्शन की शुरुआत करने वाली डायरेक्टर से हाल ही में एक इंस्टाग्राम यूजर ने उनके शो और फिल्मों में मुस्लिम पात्रों के चित्रण को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल का जोया ने भी शानदार जवाब पेश किया है। डायरेक्टर का जवाब इस समय सोशल मीडिया पर खूब लाइमलाइट बटोर रहा है। नेटिजन ने डायरेक्टर से सवाल किया कि क्या वह कभी शो में एक मुस्लिम कैरेक्टर को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित करेंगी, जो उत्पीड़ित नहीं है। यूजर का इशारा मेड इन हेवन 2 में दीया मिर्जा द्वारा निभाए गए शहनाज के किरदार की ओर था। प्राइम वीडियो शो में, शहनाज अपने पति के कई वर्षों के बाद दोबारा शादी करने के फैसले से टूट जाती है। इंस्टाग्राम यूजर के सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए, जोया अख्तर ने अपनी फिल्मों में उन सभी मुस्लिम पात्रों की ओर इशारा किया, जिन्हें उन्होंने सकारात्मक रूप से चित्रित किया है। उन्होंने लिखा, लक बाय चांस में जफर खान और तनवीर। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में इमरान और लैला। दिल धड़कने दो में फराह अली। गली बॉय में व्यावहारिक रूप से हर कोई। मेड इन हेवन में सरफराज खान और लीला शिराजी, कबीर, फैजा और नवाब। जोया अख्तर ने हाल ही में दलित लेखिका याशिका दत्त के दावे पर भी पलटवार किया था। दरअसल, याशिका ने आरोप लगाया था कि सीरीज में उनके किरदार को बिना उन्हें क्रेडिट दिए दर्शाया गया है। हालांकि, बीते दिन जोया और रीमा कागती ने लंबा नोट लिखकर साफ किया कि उन्होंने याशिका की लाइफ की कहानी अपनी सीरीज में नहीं दिखाई है, और सीरीज के किसी भी हिस्से का उनके जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। मेड इन हेवन 2 के मेकर्स पर फैशन डिजाइनर तरुण ताहिलियानी भी आरोप लगा चुके हैं। तरुण ने दावा किया है कि बिना किसी क्रेडिट के एक एपिसोड में उनके डिजाइनों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। तरुण ने बकायदा पोस्ट कर मेकर्स के खिलाफ मोर्चा खोला था।

प्रभास की राजा डीलक्स में हुई निधि अग्रवाल की एंट्री

साउथ सुपरस्टार प्रभास पिछले काफी समय से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां कुछ दिनों पहले वह अपनी आखिरी रिलीज हुई फिल्म आदिपुरुष के बुरे प्रदर्शन के कारण चर्चा में थे, वहीं उसके बाद उनकी आगामी फिल्म सालार-पार्ट सीजफायर उन्हें सुर्खियों में ले आई थी। जब से सालार का धमाकेदार टीजर रिलीज हुआ है, तब से किसी न किसी वजह से प्रभास लाइमलाइट में बने रहते हैं। लेकिन आज हम उनकी नई फिल्म राजा डीलक्स के बारे में बात करने वाले हैं। दरअसल, प्रभास की इस अपकमिंग फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री के नाम पर मुहर लग गई है।

प्रभास इन दिनों लगातार फिल्म साइन कर रहे हैं। प्रशांत नील की सालार-पार्ट वन सीजफायर के साथ ही अभिनेता के पास फिल्म राजा डीलक्स भी है, जिसकी मुख्य अभिनेत्री के नाम का खुलासा हो गया है। इस फिल्म में प्रभास के साथ साउथ अभिनेत्री निधि अग्रवाल नजर आएंगी।

इस बात की पुष्टि निर्देशक मारुति ने सोशल मीडिया के जरिए की है। राजा डीलक्स के निर्देशक ने निधि अग्रवाल के नाम का एलान अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर किया।

दोहरी भूमिका निभाएंगे प्रभास

फिल्म के बारे में लगातार आ रही अफवाहों और लीक की धमकियों के बीच मारुति का ट्वीट फैंस के लिए एक सुखमय संदेश लेकर आया। निर्देशक के शब्दों ने प्रभास की फिल्म में निधि के होने की पुष्टि करते हुए संदेह की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी है। पिछले काफी समय से जो फैंस फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के बारे में अटकलें लगा रहे थे, यह खबर सुनकर खुशी से झूम उठे हैं।

निर्देशक ने निधि के जन्मदिन पर फैंस को दिया तोहफा

साउथ इंडस्ट्री में धूम मचाने वाली निधि अग्रवाल ने 17 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर निर्देशक मारुति ने अभिनेत्री को बधाई दी और इसके साथ ही उनके फैंस को एक सरप्राइज भी दे दिया। निर्देशक के पोस्ट से अनजाने में एक सीक्रेट सामने आ गया।

तमन्ना भाटिया संग अपने रिश्ते को प्राइवेट रखना चाहते हैं विजय

विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज कालकूट को लेकर मीडिया की सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी यह सीरीज ओटीटी प्लेटफार्म जीओ सिनेमा पर रिलीज की गई है। इसके अलावा एक्टर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 में दिखाई दिए थे। उनकी इस सीरीज को काफी पसंद किया गया था। इसके साथ ही विजय अपनी लव लाइफ को लेकर भी काफी चर्चे में हैं।

विजय और तमन्ना को एकसाथ कई बार स्पॉट किया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरें सामने आने लगीं। इसके साथ ही फिल्म सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट को पढ़कर फैंस उनके अफेयर के बारे में बात करने लगे। आखिरकार दोनों ने इस मामले में वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 के प्रमोशन के दौरान चुप्पी तोड़ी और अपने रिलेशनशिप पर मोहर लगाई।

बॉलीवुड | गपशप

एक मीडिया संस्थान के साथ बातचीत के दौरान विजय ने साझा किया कि वह अपने निजी जीवन में फैंस की रुचि में बदलाव के बारे में कैसा महसूस करते हैं और अब कैसे एक्टर इस चीज के आदी बन गए हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले, यह मेरे लिए खबर है कि हम सबसे लोकप्रिय कपल में से एक हैं। यह बहुत अच्छा है, लेकिन जब यह पहली बार हुआ तो मैं इसका आदी नहीं था। मुझे अकेले घूमने की बहुत आदत थी। हम एक साथ बाहर जाते हैं और इस दौरान लोग हमारे ऊपर अधिक ध्यान देते हैं।

खुलकर बात की एक्टर ने आगे कहा, लोगों से मिल रहे इस अटेंशन की वजह से मैं काफी असहज महसूस करता हूं, मगर अब मैं इसकी आदत डालने की कोशिश कर रहा हूं।

वर्कफ्रंट की बात करे तो अभिनेता करीना कपूर के साथ द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स, सारा अली खान के साथ होमी अदजानिया की फिल्म मर्डर मुबारक और बहुप्रतीक्षित सीरीज मिर्जापुर 3 में नजर आने वाले हैं।

अजब-गजब | 193 हत्याएं कर चुका है ये शख्स

छूटने को तैयार है सबसे खतरनाक सीरियल किलर

सीरियल किलर का नाम सुनते ही आपके जहन में कोई बॉलीवुड या हॉलीवुड फिल्म चलने लगती होगी जिसमें अपराधी घूम-घूमकर लोगों की हत्या करता है और फिल्म का हीरो समाज को उससे छुटकारा दिलाने का काम करता है पर असलीयत में ये सब कुछ इतना भी आसान नहीं है। वो इस वजह से क्योंकि सीरियल किलर्स बेहद शातिर अपराधी होते हैं जो आसानी से हाथ में नहीं आते, और अगर आते भी हैं तो फिर वो कभी जेल से नहीं छूटते। पर इन दिनों कोलंबिया के एक अपराधी के खूब चर्चे हैं जो पकड़ा गया था, जेल गया और अब बाहर भी आने वाला है। इस वजह से लोगों में दहशत है। ये कहानी है असली सीरियल किलर की, जिसे दुनिया 'द बीस्ट' के नाम से जानती है।

1990 के दशक के आखिरी दौर में कोलंबिया देश में एक अपराधी बेहद कुख्यात था। उसका नाम था लुइस एल्फ्रेडो गारावितो। लुइस को उसकी सजा के लिए जेल हुई पर कोलंबिया में एक नियम है कि वहां उम्र कैद सिर्फ 40 सालों का होता है और अगर इंसान का आचरण जेल में अच्छा रहा तो उसे 20 साल के बाद जेल से आजाद करने का भी प्रावधान है। लुइस का आचरण जेल में बहुत

अच्छा रहा और इसी साल उसके 20 साल पूरे हो रहे हैं। अब माना ये जा रहा है कि उसे जेल से छुटकारा मिल जाएगा। पर लोगों में गुस्सा और दहशत है। वो इस वजह से क्योंकि लुइस एक हत्यारा था जिसने अपने जीवनकाल में 1-2 नहीं, पूरे 190 लोगों को मौत के घाट उतारा है। 64 साल के हो चुके लुइस की कहानी जानने के लिए आपको कोलंबिया की गलियों में महसूस करना होगा। साल था अप्रैल 1999 जब शख्स को गिरफ्तार किया गया। एक साल पहले यानी 1998 को पुलिस ने एक तीन कब्रों में से 36 लड़कों और युवाओं के शरीर के टुकड़े बरामद किए थे। उसी के बाद लुइस को गिरफ्तार किया और उसने उन लोगों की हत्या के बारे में कुबूल किया। पर मामला यहीं नहीं आकर रुका। उसने बताया कि 1994 से 1999 के बीच जिन भी बच्चों की हत्याएं हुई हैं या फिर जुर्म से जुड़े मामले सामने आए हैं, उसमें उसका ही हाथ था। उसने बताया कि 59 शहरों में उसने 114 बच्चों की हत्या की है।

ये सारे ही कम उम्र के लड़के हुआ करते थे। उसने जब एक बार फिर नए सिरे से हत्याओं के बारे में बताया तब उसने जाकर कुबूल किया कि मरने वालों की संख्या 190 से ज्यादा थी। यही कारण है कि उसे दुनिया का सबसे खतरनाक सीरियल किलर माना जाता है। नेशनल प्रिजन इंस्टिट्यूट ने अक्टूबर 2021 में कोर्ट के जज से अनुरोध किया था कि अच्छे आचरण की वजह से लुइस को रिहा किया जाए। पर जज ने कहा कि उसने अपने शिकार के परिवार को देने के लिए 31 लाख रुपये, मुआवजे के तौर पर नहीं चुकाए हैं, इस वजह से उसे रिहा नहीं किया जा सकता। वो अपने शिकार की पूरी लिस्ट एक किताब में बनाता था जिसमें साफ लिखा था कि कितने लोगों की मौत उसने की है। उसने जज को दिए अपने बयान में कहा कि जब वो छोटा था तो दो पड़ोसियों ने उसका रेप किया था और जब वो उम्र में बड़ा होने लगा तो उसके पिता उसे बहुत मारा करते थे।

मरना नहीं चाहता यह अरबपति, बेटे का खून चढ़वाया, रोज खाता है 110 गोलियां

धरती पर जो पैदा हुआ है, एक न एक दिन उसकी मृत्यु तय है। आज तक कोई भी ऐसा शख्स नहीं हुआ जो मरा न हो। पुराणों के मुताबिक, सिर्फ देवताओं को अमर होने का वरदान मिला हुआ है। लेकिन अब एक शख्स प्रकृति के इस नियम को बदलने पर लगा हुआ है। वह मरना ही नहीं चाहता। अमर होने के लिए हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है। कुछ दिनों पहले अपने ही बेटे का खून चढ़वा लिया था। रोजाना 110 गोलियां खा रहा है। डाइट प्लान ऐसा बनाया है कि सुबह 11 बजे के बाद खाना नहीं खाता। अब उसने एक और प्रयोग कर दुनिया को हैरान कर दिया है। हम बात कर रहे अमेरिकी टेक टायकून ब्रायन जॉनसन की। कैलिफोर्निया के रहने वाले 45 वर्षीय ब्रायन अपने एंटी एजिंग जुनून के कारण दुनियाभर में मशहूर हैं। अमर होने के लिए उन्होंने प्रकृति के नियमों को बदलने की ठान ली है। ब्रायन ने इस सप्ताह खुलासा किया कि हमेशा जवान बने रहने के लिए अब उन्होंने rejuvenation therapy शुरू की है। हर हफ्ते तीन बार उन्हें यह थेरेपी दी जाएगी। वह देखना चाहते हैं कि इससे क्या उनकी लव लाइफ में सुधार होगा। कुल 6 बार उन्हें ट्रीटमेंट कराना होगा और पूरी थेरेपी पर 1,66,331 रुपये का खर्च आएगा। इसे शॉकवेव थेरेपी भी कहते हैं। हमेशा जवान बने रहने के लिए हर साल 16 करोड़ रुपये खर्च कर रहे ब्रायन जॉनसन ने बताया कि शॉकवेव थेरेपी इलाज की एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसमें ध्वनिक तरंगों के जरिये उपचार किया जाता है। इससे टिश्शू एक्टिव हो जाते हैं और ताकत मिलती है। यहां तक कि कैंसर के इलाज के साइड इफेक्ट से पीड़ित पुरुषों को भी इससे लाभ मिलता हैं। उन्होंने कहा, हम परीक्षण कर रहे हैं कि क्या यह रात के समय फायदा कर सकता है। कुछ दिनों पहले ब्रायन ने अपने डाइट प्लान का खुलासा किया था। बताया था कि अमर होने के लिए वह रोजाना 110 गोलियां खा रहा है। सुबह 11 बजे के बाद कभी खाना नहीं खाता। हमेशा एक ही समय पर सोता है और फिजिकल रिलेशन भी नहीं बनाता। कोई गर्लफ्रेंड भी नहीं। तब उसने कहा था, अगर इंसान चाह ले तो जब तक वह जीना चाहे, जी सकता है। मगर इसके लिए उसे कुछ तैयारी करनी होगी। मेरा नारा है, मत मरो। हम इसे पूरा करके दिखाएंगे। हम यह साबित करके दुनिया को बताएंगे।

लेह-लद्दाख की जमीनों को चीन ने छीना : राहुल

बोले- राज्य को नौकरशाही द्वारा नहीं चलाया जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख के लोगों की बहुत सारी शिकायतें थी। वे उस दर्जे से खुश नहीं हैं, जो उन्हें दिया गया है। वे प्रतिनिधित्व चाहते हैं और उनके सामने बेरोजगारी की समस्या है। लोग कह रहे हैं कि राज्य को नौकरशाही द्वारा नहीं चलाया जाना चाहिए, बल्कि राज्य को लोगों की आवाज से चलाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने बताया कि यहां के लोगों ने कहा है कि चीन की सेना इलाके में घुस आई है और उनकी चरागाह जमीन छीन ली गई है, लेकिन पीएम ने कहा कि एक इंच जमीन नहीं ली गई।

सच क्या है यह आप यहां किसी से भी पूछ सकते हैं। हांलांकि रक्षा विशेषज्ञ संजय कुलकर्णी ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान देना गलत होगा और जब बातचीत चल रही हो तो किसी को भी बयान नहीं देना चाहिए। बातचीत मुख्य रूप से इसलिए चल रही है, क्योंकि डेमचोक और देपसांग दो घर्षण बिंदु हैं। यहीं पर गश्त को प्रतिबंधित किया जा रहा है। लेकिन हम हार गए हैं यह कहना गलत होगा। हालांकि 1950 के बाद से हमने चीन के हाथों लगभग 40,000 वर्ग किमी खो दिया है और हमारा प्रयास है कि हम अपना और क्षेत्र चीन के हाथों न खोएं। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 10 सितंबर को होने वाले कारगिल परिषद चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ चुनाव पूर्व गठबंधन बनाया है। राहुल गांधी गुरुवार को लद्दाख पहुंचे और लेह हवाई अड्डे पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। गौरतलब है कि अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष लेह नहीं जा सके थे। उन्होंने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर अपने भाषण के दौरान कहा था कि वह जल्द ही लेह का दौरा करेंगे।

चीन को बचाना चाहते हैं पीएम मोदी : पवन खेड़ा

लद्दाख में पार्टी सांसद राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पूरा देश यह कह रहा है लेकिन पीएम मोदी चीन को बचाना चाहते हैं। वह उन्हें प्रमाणपत्र देना चाहते हैं, उन्हें ऐसा करने के लिए क्या मजबूर कर रहा है हम नहीं जानते। पवन खेड़ा ने कहा कि पूरा ब्रह्मांड इस बात से हैरान है कि वह उन्हें बचा रहे हैं। पवन खेड़ा ने कहा कि हर जगह और क्षेत्र चाहता है कि उनकी सरकार लोकतंत्र से चले। उनकी बात तभी सुनी जाएगी जब कोई निर्वाचित प्रतिनिधि होगा। इसलिए राहुल गांधी ने जो कहा वह सच है। लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा कई सवाल खड़े करता है।

कुछ भी बोलने से पहले अच्छे से अध्ययन कर लें राहुल गांधी : आरपी सिंह

चीनी सैनिकों के द्वारा भारतीय भूमि का एक इंच हिस्सा भी नहीं लेने के केंद्र के दावे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता आरपी सिंह ने रविवार को राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया और उन्हें कुछ भी बोलने से पहले अच्छे से अध्ययन करने की नसीहत दे डाली। आरपी सिंह ने कहा, राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि सेवानिवृत्त सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाने ने एक बार कहा था कि पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ महीनों तक चले गतिरोध के दौरान भारत ने अपने क्षेत्र का एक इंच भी नहीं खोया। मैं उन्हें सुझाव दूंगा कि कुछ भी बोलने से पहले अच्छे से अध्ययन कर लें।

पैंगॉन्ग पर राहुल ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर लद्दाख में पैंगोंग झील के तट पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। वहीं, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और रॉबर्ट वाड्रा दिल्ली में वीर भूमि पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि चीन की सेना घुसी है। लोग कहते हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पिता राजीव गांधी की जयंती पर ट्वीट किया कि पापा, आप की आंखों में भारत माता के लिए जो सपने थे, इन अनमोल यादों से छलकते हैं।

फरियाद के लिए दर-दर भटक रहे, नहीं हो रही सुनवाई

घर के गेट पर बना दिया ट्रांसफार्मर का चबूतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राणा प्रताप मार्ग नेशनल पीजी कॉलेज के सामने स्मार्ट सिटी के नाम पर एक आवास के गेट पर ट्रांसफार्मर लगाने के लिए चबूतरा बना दिया है। चबूतरे पर ट्रांसफार्मर रखते ही आवास का इस गेट से आवागमन बंद हो जाएगा। नगर निगम अभियंताओं की दबंगई से आजिज इस घर की मालकिन ने नगर आयुक्त डॉ. इंद्रजीत सिंह एवं इलाकाई बिजली अभियंता से मुलाकात करके पीड़ा सुनाई, मगर कोई राहत नहीं मिल सकी।

महिला के बेटे अमन ने बताया कि बिजली अभियंता ने दूसरी जगह चबूतरा बनाने का सुझाव भी दिया, लेकिन नगर निगम अभियंताओं का कहना कि फुटपाथ उनका इसलिए ट्रांसफार्मर को यहाँ पर लगाएंगे। निर्माण 7 अगस्त से शुरू होते ही अफसरों से फरियाद करना शुरू कर दिया, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

सीबीआई की याचिका खारिज की जाए : लालू

चारा घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लालू प्रसाद यादव ने सुप्रीम कोर्ट में चारा घोटाला मामले में सीबीआई की याचिका पर जवाब दाखिल कर दिया है। इसमें लालू यादव ने अपनी जमानत रद्द करने की सीबीआई की याचिका का विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि सीबीआई की याचिका खारिज की जाए।

सीबीआई की याचिका के जवाब में लालू यादव का कहना है, सजा निलंबित करने के हाईकोर्ट के आदेश को केवल इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि सीबीआई इस फैसले से असंतुष्ट है, हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि हाईकोर्ट का फैसला सामान्य सिद्धांतों और समान नियमों पर आधारित है। ज्ञात हो कि उन पर चारा घोटाले के तहत कोषागार से करोड़ों के गबन का आरोप है।

उत्तराखंड-हिमाचल और यूपी में टूटेगी बारिश की आफत

21 से 24 अगस्त के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारी बारिश, भूस्खलन से तबाही झेल रहे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। भारतीय मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई है। विभाग ने इन सात राज्यों के लिए 21 से 24 अगस्त के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने हिमाचल और उत्तराखंड में 115.6 से 204.4 मिमी तक भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया है। साथ ही कहा है कि इस दौरान प्रभावित इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की आशंका है। इसके अलावा आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी चेतावनी जारी की गई है। इन दोनों राज्यों में पिछले कुछ हफ्तों में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते बड़ी तबाही हुई है। इन राज्यों में 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 22 और 23 अगस्त को 115.6 से 204.4 मिमी तक भारी बारिश का अनुमान है। पूर्वी यूपी में 21 से 24 अगस्त तक जोरदार बारिश हो सकती है।

शिमला भूस्खलन में 17 हुई मृतकों की संख्या, 13 अभी लापता

शिमला में 14 अगस्त को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 17 हो गई है। राहत-बचाव टीम ने हादसे के सातवें दिन रविवार को एक और शव बरामद किया। तीन अन्य लोग अब भी लापता हैं। इनकी तलाश की जा रही है।

स्पेन की महिलाएं बनीं विश्व चैंपियन

फुटबॉल विश्वकप में इंग्लैंड को 1-0 से हराया

पहली बार जीता खिताब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। ओल्गा कारमोना के पहले हाफ में दागे गोल की बदौलत स्पेन रविवार को यहां इंग्लैंड को 1-0 से हराकर पहली बार फीफा महिला विश्व कप खिताब जीतने में सफल रहा। स्पेन ने खिलाड़ियों की बगावत के एक साल से भी कम समय में यह खिताब जीता। स्पेन के पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब ने उसे 2007 में जर्मनी के बाद महिला फुटबॉल विश्व कप जीतने वाली पहली यूरोपीय टीम भी बना दिया।

कारमोना ने मैच के 29वें मिनट में बाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाया जिसे इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी अर्प्स गोता लगाने के बावजूद गोल में जाने से रोकने में नाकाम रहीं। जश्न मनाते हुए कारमोना ने अपनी जर्सी उठा ली जिसके नीचे उनकी शर्ट पर 'मेर्ची' लिखा था जो उनके पूर्व स्कूल का नाम है। कारमोना ने स्वीडन के खिलाफ सेमीफाइनल में स्पेन की 2-1 की जीत के दौरान भी 89वें मिनट में विजयी गोल दागा था। कारमोना इसके साथ ही 2015 में कार्ली के बाद सेमीफाइनल और फाइनल में गोल करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।

जोकोविच ने जीता सिनसिनाटी ओपन

मेसन। नोवाक जोकोविच ने लगभग चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज को हराकर वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट सिनसिनाटी में पुरुष एकल का खिताब जीता। जोकोविच ने यह मैच 5-7, 7-6 (7), 7-6 (4) से जीतकर अल्कराज से पिछले महीने विंबलडन फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता किया। 1990 के बाद एटीपी टूर के इतिहास में सबसे लंबा तीन सेट वाला फाइनल था। दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच के करियर का यह 95वां खिताब है और वह इवान लेंडल को पीछे छोड़ कर 1968 के बाद ओपन युग में सर्वाधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

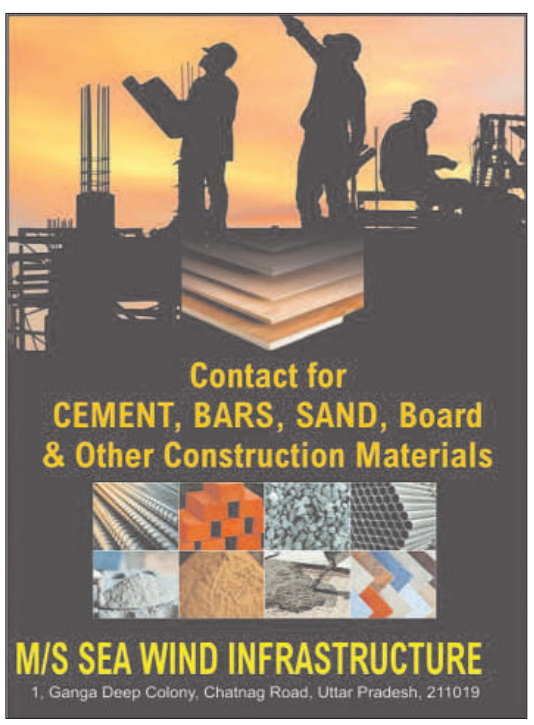

पत्रकारों पर अंकुश लगाने को लेकर 4PM के संपादक ने भेजा यूपी सरकार को नोटिस

» पत्रकारों की आवाज को बुलंद करेंगे वरिष्ठ पत्रकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार ने पत्रकारों की खबरों की निगरानी एक तरह से डीएम और एसपी को सौंपने का फैसला किया है। प्रमुख सचिव गृह द्वारा जारी यह आदेश तो यही कहता है। वरिष्ठ पत्रकार और 4 पीएम के फाउंडर संजय शर्मा ने आज इस आदेश को वापस लेने के लिये सरकार को नोटिस भेजा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बीते दिनों मीडिया में आने वाली उन नकारात्मक खबरों की जांच कराने का फैसला किया है, जो सरकार की छवि पर असर डाल रही हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद की ओर से बकायदा एक सर्कुलर जारी किया गया जिसमें सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यदि कोई मीडिया समूह 'नकारात्मक' समाचार प्रकाशित करता है, जिससे राज्य की छवि खराब हो सकती है या अपनी रिपोर्ट में 'गलत तथ्य' प्रस्तुत करता है तो उसके प्रबंधक से स्पष्टीकरण मांगा जाए। योगी सरकार के द्वारा जारी किए गए इस तुगलकी फरमान को लेकर पत्रकारों में काफी गुस्सा देखने को मिला। अब इसको लेकर 4 पीएम न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा ने पत्रकारों की आवाज को बुलंद बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को नोटिस भेजा है। इस नोटिस में क्या कुछ है, पढ़िए?

तुगलकी फरमान से पत्रकारों में आक्रोश

संविधान के अनुच्छेद 19 (ईएल) द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकार का हनन

To,
Shri Sanjay Prasad IAS
Principal Secretary, State of Uttar Pradesh,
Lok Bhawan, Vidhan Sabha Marg,
Lucknow.

Sub : Request for withdrawal of directives issued vide letter Numbered Lok Shikayat Anubhag-5 Mukhyamantri Karyalay Dated [illegible] intended towards curtailment of the freedom of the press and thereby violating fundamental rights guaranteed under Article 19 of the Indian Constitution.

Dear Sir,

This finds reference to the captioned subject. In this regards, your kindself is aware that the applicant herein is a veteran journalist having put in 3 decades in the noble profession of journalism having ensured good governance and transparency in administration by highlighting the issues and concerns impacting public at large. The achievements and credentials of the applicant are as per Annexure No. 1. In this backdrop, my respectful submission is as under :-

1. The applicant is deeply anguished and perturbed with the intent of the Uttar Pradesh government, which has, by issuing the impugned order referred to in subject above, tried to gag the freedom of press and media terming the news items which are not aligned with the government viewpoint as "[illegible]" which is a serious concern. The order proceeds on an assumption that the negative news which are published and circulated are intended towards causing disrepute to the State Government and District Administration.

2. The said circular further states that in al cases of negative news being so published, the manager of the concerned media group/news paper shall be put to question and be required to provide his reply for the purpose. This is a regressive and a whimsical decision which will not only be contrary to the freedom of speech and expression as guaranteed under article 19 of the Indian Constitution, but would also silence the voice of dissent, a facet of any democratic form of government.

3. That your kindself is aware of the fact that the right to reason and think is a natural right and a person has a right to think freely and express himself. This right also includes a right to dissent or to have an opposite opinion which may be different and diverse. At the same time, at this juncture, I would also

संविधान के अनुच्छेद 19 (ईएल) द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकार में कानून या कार्यकारी कार्रवाई या सामाजिक घटनाओं की निष्पक्ष आलोचना शामिल है। वैधानिक प्रावधानों के तहत किया गया प्रत्येक आदेश न केवल वैधानिक प्रावधान द्वारा प्रदत्त अधिकार के भीतर होना चाहिए, बल्कि यह भी होना चाहिए। मौलिक अधिकार के पाठ को खड़ा करें। विधायिका को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन में कार्य करने के लिए प्राधिकार की शक्तियां प्रदान करने का इरादा नहीं माना जा सकता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गजानन विशेश्वर बनाम के मामले में लोकतांत्रिक समाज में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व पर ध्यान देते हुए। भारत संघ, 1994 (5) एससीसी 550 में कहा गया है कि मानव इतिहास इस तथ्य का गवाह है कि सारा विकास और सारी प्रगति विचार की शक्ति के कारण है और विचार नियंत्रण का हर प्रयास विफलता के लिए अभिशप्त है। किसी विचार को कभी ख़त्म नहीं किया जा सकता. दमन कभी भी सफल स्थायी नीति नहीं हो सकती. इससे जो भी सतही शांति पैदा होती है वह झूठी है। यह एक दिन फूटेगा. 2002 (3) एससीसी 667. बलदेव सिंह गांधी बनाम में रिपोर्ट किए गए अन्य मामलों में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व पर ध्यान दिया गया है। पंजाब राज्य; 1988 (3) एससीसी 167, पी.एन.डूडा बनाम. पी.शिव शंकर। यह प्रस्तुत किया गया है कि जेटी 2008 (2) 639, आंध्र प्रदेश सरकार और अन्य बनाम में रिपोर्ट किए गए एक दूरगामी निर्णय में इस पर आपत्ति किया गया।

नोटिस में उठाए गए बिंदु

प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य, लोक भवन, विधान सभा मार्ग को प्रेषित नोटिस में वरिष्ठ पत्रकार ने तर्कों के साथ अपनी बात रखी है। आवेदक ने लिखा उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा से बहुत व्यथित और क्षुब्ध है, जिसने उपरोक्त विषय में उल्लिखित आदेश जारी करके प्रेस और मीडिया की स्वतंत्रता को बाधित करने की कोशिश की है, जो समाचारों से मेल नहीं खाती है। सरकार का दृष्टिकोण हम है जो एक गंभीर चिंता का विषय है। आदेश इस धारणा पर आगे बढ़ता है कि जो नकारात्मक खबरें प्रकाशित और प्रसारित की जाती हैं, उनका उद्देश्य राज्य सरकार और जिला प्रशासन को बदनाम करना है। उक्त परिपत्र में आगे कहा गया है कि नकारात्मक समाचार प्रकाशित होने के सभी मामलों में, संबंधित मीडिया समूह/समाचार पत्र के प्रबंधक से पूछताछ की जाएगी और उन्हें इस उद्देश्य के लिए अपना उत्तर प्रदान करना होगा। यह एक प्रतिगामी और सनकी निर्णय है जो न केवल भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विपरीत होगा, बल्कि सरकार के किसी भी लोकतांत्रिक स्वरूप के एक पहलू, असहमति की आवाज को भी चुप करा देगा।

प्रेस की स्वतंत्रता सभी लोकतांत्रिक संगठनों की नींव में है

केवल बोलने की आज़ादी, सोचने की आज़ादी और असहमति जताने की आज़ादी से ही मानव प्रगति संभव है। और यही कारण है कि हमारे संस्थापकों ने अपनी बुद्धिमत्ता से संविधान के भाग ||| में मौलिक अधिकारों का प्रावधान किया। कार्यपालिका या विधायिका के आक्रमण के खिलाफ आतंकवादियों के नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रता को बनाए रखना न्यायालयों का गंभीर कर्तव्य है, और न्यायालय इस मामले में चुप नहीं बैठ सकता है, लेकिन नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को बनाए रखने में एक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। 1950 एससी 124 में रिपोर्ट किए गए होमेश थापर बनाम स्टेट ऑफ मद्रास के प्रसिद्ध मामले में, पतंजलि शास्त्री जे ने ठीक ही कहा था कि भाषण और प्रेस की स्वतंत्रता सभी लोकतांत्रिक संगठनों की नींव में है, क्योंकि स्वतंत्र राजनीतिक चर्चा के बिना कोई भी सार्वजनिक नहीं हो सकता। शिक्षा, जो लोकप्रिय सरकार की प्रक्रिया के समुचित कार्य के लिए अत्यंत आवश्यक है, संभव है। बोलने और अभिव्यक्ति के अधिकार को हमेशा हर इंसान का सबसे प्रिय अधिकार माना गया है। एक सभ्य समाज में, अदालतों ने उच्च स्तर की सहनशीलता का प्रदर्शन किया है और अपने आदेश/निर्णयों की प्रतिकूल टिप्पणियों और आलोचकों को स्वीकार किया है, हालांकि, कभी-कभी, ऐसी आलोचना पूरी तरह से गलत होती है और इस्तेमाल की गई भाषा अनुचित होती है। किसी न्यायिक संस्था के कामकाज की आलोचना करने के जनता के एक सदस्य के अधिकार का प्रिवी काउंसिल द्वारा अंबर्ड बनाम में खूबसूरती से वर्णन किया गया है। त्रिनिदाद और टोबैगो के अटॉर्नी जनरल, 1936 एसी 322- एआईआर 1936 पीसी 14, निम्नलिखित शब्दों में-जनता के किसी भी सदस्य द्वारा कोई गलती नहीं की जाती है जो न्याय के पद पर किए गए सार्वजनिक कार्य की निजी या सार्वजनिक रूप से सद्भावनापूर्वक आलोचना करने के सामान्य अधिकार का प्रयोग करता है। आलोचना का मार्ग सार्वजनिक मार्ग है, अन्यायी हैं।

चंद्रयान-3 ने साझा कीं चंद्रमा की ताजा तस्वीरें

» 23 अगस्त को शाम 6:04 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 ने लैंडिंग की उलटी गिनती के बीच चंद्रमा की ताजा तस्वीरें साझा की हैं। ये कुछ ऐसी तस्वीरें हैं, जिनमें चंद्रमा का एक अलग ही स्वरूप नजर आ रहा है। चंद्रयान-3 के लैंडर द्वारा ली गई चंद्रमा की ताजा तस्वीरों में यहां दूर के हिस्से पर कुछ प्रमुख गड्ढे भी नजर आ रहे हैं, जो हमेशा पृथ्वी से दूर की ओर होते हैं।

ये तस्वीरें उस कैमरे द्वारा ली गई हैं, जिसका काम विक्रम लैंडर को बुधवार शाम को अज्ञात चंद्र दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र पर ऐतिहासिक टचडाउन से पहले एक सुरक्षित लैंडिंग क्षेत्र ढूंढने में मदद करना है। इसरो ने बताया कि उसने चंद्रयान-3 मिशन के 'लैंडर मॉड्यूल (एलएम) को कक्षा में थोड़ा और नीचे सफलतापूर्वक पहुंचा दिया, और इसके अब बुधवार को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है। 14 जुलाई के प्रक्षेपण के बाद पिछले तीन हफ्तों में पांच से अधिक प्रक्रियाओं में इसरो ने चंद्रयान-3 को पृथ्वी से दूर आगे की कक्षाओं में बढ़ाया था। गत एक अगस्त को एक महत्वपूर्ण कवायद में अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा से सफलतापूर्वक चंद्रमा की ओर भेजा गया।

फोटो :4 पीएम

आस्था नाग पंचमी के अवसर पर मनकामेश्वर मंदिर की महंत देव्यागिरि सांपों को दुध अर्पित करती हुई।

स्वामी प्रसाद पर जूता फेंका, आरोपी हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के एमएलसी और विवादित बयानों के लिए मशहूर स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक कार्यक्रम में जूता फेंका गया है। समाजवादी पार्टी के ओबीसी सम्मेलन में स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंका गया। जूता फेंकने वाले को कार्यकर्ताओं ने पहले पीटा फिर पुलिस हिरासत में लेकर विभूति खंड थाना ले गई।

स्वामी प्रसाद मौर्य का यूपी की राजनीति में बड़ा नाम है, कभी बसपाई कहे जाने वाले मौर्य ने बीजेपी का दामन थामा फिर बीजेपी को टाटा, बाय-बाय बोलकर अखिलेश की साइकिल पर सवार हो गए, स्वामी प्रसाद मौर्य का करीब चार दशक का लंबा राजनीतिक करियर है और वो यूपी की राजनीति में धमक रखने वाले राजनेता माने जाते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने 1996 में बीएसपी के टिकट पर रायबरेली की डलमऊ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और विधानसभा का चुनाव जीते।

मुंबई में इंडिया की बैठक में शामिल होंगे केजरीवाल

» आम आदमी पार्टी ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई में होने वाली इंडिया की बैठक में अरविंद केजरीवाल शामिल होंगे। ये बैठक मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगी। बता दें कि अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस के बीच कई मामलों में असहमति दिख रही है। इसी को लेकर संशय बना हुआ था कि वह बैठक में शामिल होंगे या नहीं। अब स्थिति साफ हो गई है कि केजरीवाल इस बैठक में हिस्सा लेने जा रहे हैं।

हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की खराब गके दावे को लेकर अपने इंडिया ब्लॉक पार्टनर कांग्रेस पर कटाक्ष किया है, केजरीवाल की टिप्पणियों के तुरंत बाद, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केजरीवाल से छत्तीसगढ़ की तुलना दिल्ली से करने पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार की तुलना पिछली रमन सिंह की सरकार से करने की जरूरत है? केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत देखें या दिल्ली में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से पूछें।

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर सीबीआई और ईडी जांच में जुटी हुई है। इस मामले टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी से भी पूछताछ चल रही है। सीबीआई और ईडी के जरिए पूछताछ पर रोक लगाने के लिए अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली। सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर विचार करने से सर्वोच्च न्यायालय ने इनकार कर दिया। सोमवार को बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालयने जांच जारी है। ईडी ने सोमवार को कोलकाता और उसके आसपास के कई स्थानों पर अधिकारियों ने तलाशी की। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं द्वारा जिन स्थानों की तलाशी ली जा रही है, उनमें शहर के दक्षिणी हिस्से में पॉश न्यू अलीपुर इलाके में एक निजी कंपनी का कार्यालय भी शामिल है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।